

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

नामांकन एवं सारांश भेजने की अंतिम तिथि	:	25.11.2022
समिति द्वारा सारांश स्वीकृति की सूचना	:	10.12.2022

कौन भाग ले सकते हैं:-

संगोष्ठी में विभिन्न अनुसंधान संगठनों, संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, उद्योग क्षेत्र, चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित वैज्ञानिक/ प्रोफेसर / तकनीकी अधिकारी/ अध्येता/ डॉक्टर/ अनुसंधानकर्ता आदि भाग ले सकते हैं।

कैसे भाग लें:-

इस संगोष्ठी में आलेख/वार्ता प्रस्तुत करने के इच्छुक प्रतिभागी, अपने आलेख/वार्ता के सारांश एवं नामांकन पत्र (वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है) को नियत तिथि के अंदर ईमेल के माध्यम से भेजना होगा। पंजीकरण नि:शुल्क है।

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग:-

संगोष्ठी की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की भी सुविधा है। लिंक को वेबसाइट <http://igcar.gov.in/seminar.html> से देखा जा सकता है।

अद्यतन जानकारी हेतु वेबसाइट:-

रजिस्ट्रेशन प्रपत्र, सारांश एवं पीपीटी हेतु टेम्पलेट सहित अद्यतन सूचनाएँ निम्नलिखित वेबपेज पर उपलब्ध होंगी

<http://igcar.gov.in/seminar.html>

संयोजक

डॉ. अवधेश मणि, वैज्ञानिक अधिकारी/एच

इंगांपअर्के - 603 102

फोन: 044-27480500-विस्तार - 22356

पत्राचार हेतु ईमेल

ddol@igcar.gov.in

hindiseminar.igcar@gmail.com

अन्य विवरण हेतु संपर्क सूत्र

हिंदी अनुभाग : 044-27480500- विस्तार -22748/22829

मोबाइल नं. : 94450 21627

ईमेल : ddol@igcar.gov.in; jiten@igcar.gov.in

hindiseminar.igcar@gmail.com

आयोजक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम

सह-आयोजक

सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम

भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड, कल्पाक्कम



भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र

कल्पाक्कम

तमिलनाडु-603 102

अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में नाभिकीय एवं अन्य प्रगत प्रौद्योगिकियों की भूमिका

10-11 जनवरी, 2023



अधिक जानकारी एवं नामांकन फॉर्म हेतु

हमारी वेबसाइट देखें

<http://igcar.gov.in/seminar.html>

संस्थान परिचय

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (इंसांअके) की स्थापना, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के बाद, परमाणु ऊर्जा विभाग के दूसरे सबसे बड़े प्रतिष्ठान के रूप में चेन्ने से 80 कि.मी. दूर, कल्पाक्कम में सन् 1971 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में सोडियम शीतित द्रुत प्रजनन रिएक्टर (एफबीआर) प्रौद्योगिकी के विकास की ओर उत्कृष्ट वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रगत अभियांत्रिकी के बहुविषयक कार्यक्रम को संचालित करना है। यह भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दिवतीय चरण का भाग है जिसमें थोरियम का उपयोग कर 21वीं सदी में विद्युत ऊर्जा की बढ़ती हुई मांग को पूरा करना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 40 मेगावाट अभिहित क्षमता वाले सोडियम शीतित द्रुत प्रजनन परीक्षण रिएक्टर (एफबीटीआर) का निर्माण कर सफल परीक्षण किया गया। इस रिएक्टर ने दिनांक 7/03/2022 को 40 MWt के अपने अभिकल्पित शक्ति स्तर को प्राप्त किया। यह प्लूटोनियम-यूरेनियम मिश्रित कार्बाइड को चालक ईंधन के रूप में उपयोग करने वाला विश्व का अपने प्रकार का प्रथम रिएक्टर है। इस केंद्र में न्यूट्रॉन रेडियोग्राफी, न्यूट्रॉन सक्रियण विश्लेषण आदि के लिए 30 किलोवाट का कल्पाक्कम मिनि रिएक्टर (कामिनी) भी प्रचालन में है जिसमें यूरेनियम-233 को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसका उपयोग अंतरिक्ष विभाग के पायरो डिवाइसों के न्यूट्रॉन रेडियोग्राफी के परीक्षणों में भी किया जाता है। इंसांअके ने देश में सोडियम प्रौद्योगिकी, रिएक्टर अभियांत्रिकी, रिएक्टर भौतिकी, धातुकर्म एवं पदार्थ, ईंधनों और उनके पदार्थों का रसायन, ईंधन पुनर्संसाधन, रिएक्टर संरक्षा, नियंत्रण एवं यंत्रिकरण, कम्प्यूटर अनुप्रयोग आदि से संबद्ध एफबीआर प्रौद्योगिकी के सम्पूर्ण श्रेणी को शामिल कर विस्तृत अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं स्थापित की हैं। कल्पाक्कम में GSO, BARCF, MAPS, BHAVINI, AERB जैसे परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रतिष्ठित संस्थान एक परिसर में स्थित है। देश में उपयोग हो रहे तीनों प्रकार के रिएक्टर भी कल्पाक्कम में स्थित है।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें

<http://www.igcar.gov.in>

संगोष्ठी परिचय

प्रकृति ने मानव को उसकी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए अनेक संसाधन दिए हैं। परंतु लगातार बढ़ती जनसंख्या एवं उसके परिणामस्वरूप बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए मानव ने न केवल प्रकृति का बड़े स्तर पर दोहन किया है, अपितु वातावरण को भी दूषित किया है। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का जलवायु संतुलन बिगड़ने लगा है। जलवायु परिवर्तन के अनेक दुष्परिणाम जैसे अतिवृष्टि, भूस्खलन, सूखा, बाढ़ इत्यादि ने मनुष्य के अस्तित्व को चुनौती देना आरम्भ कर दिया है। अतः समस्त मानवता का ध्यान अब इस ओर केंद्रित हो रहा है कि पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा उत्पादन कैसे किया जाए। इस क्रम में अब हरित एवं जलवायु अनुकूल ऊर्जा उत्पादन पर अधिक जोर दिया जा रहा है। भारत सरकार भी अब इन प्रौद्योगिकियों को खूब प्रोत्साहन दे रही हैं। इनमें से कुछ प्रौद्योगिकियां हैं- नाभिकीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, विद्युत चालित वाहन, उच्च दक्षता ऊर्जा उत्पादन तकनीकी। ये तकनीकी एवं प्रौद्योगिकियां अपने उत्थान एवं विकास के अलग-अलग चरणों में हैं। इनमें नित नए अनुसंधान एवं नवाचार किए जा रहे हैं। इन्हीं अनुसंधानों एवं नवाचारों को हिंदी भाषा के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से इस हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य शीर्षक के अंतर्गत संभावित उप-विषय

नवीकरणीय स्रोतों का विकास- सौर, पवन, ज्वारीय, भूतापीय ऊर्जा उत्पादन में नवीन अनुसंधान, प्रौद्योगिकियां एवं भावी संभावनाएं।

- नाभिकीय ऊर्जा-खनिज संसाधन, रिएक्टर प्रौद्योगिकी, भारी पानी उत्पादन, ईंधन संविरचन, नाभिकीय संरचनात्मक सामग्रियां, नाभिकीय अवशिष्ट प्रबंधन, विकिरण संरक्षा, विकिरण के अनुप्रयोग एवं भावी संभावनाएं।
- ई-वाहन प्रौद्योगिकी।
- कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण हेतु स्वदेशी नवीन प्रौद्योगिकी।
- प्रगत नाभिकीय रिएक्टरों की संकल्पना एवं सुरक्षात्मक पहलू।
- बायोमास, बायोगैस, एथेनॉल, बायोडीजल, अपशिष्टों से बिजली उत्पादन एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकल्प इत्यादि के संबंध में अनुसंधान प्रगति।
- भारत की ऊर्जा नीति, ऊर्जा संरक्षण, किफायती ऊर्जा के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान, प्रौद्योगिकियां एवं भावी संभावनाएं।
- मुख्य शीर्षक से संबंधित कोई अन्य उप विषय।

अनुदेश

- आलेख प्रस्तुतकर्ता अपने आलेख पत्र के सारांश को अधिकतम 500 शब्दों में यूनिकोड फॉन्ट (Mangal/Arial UnicodeMS) - साइज़ 12 में टाइप कर word file में नामांकन फार्म और मौलिकता प्रमाण पत्र के साथ ईमेल पते ddol@igcar.gov.in, jiten@igcar.gov.in अथवा hindiseminar.igcar@gmail.com पर दिनांक 25 नवंबर 2022 तक भेज दें।
- सारांश प्राप्ति की पुष्टि ईमेल के माध्यम से की जाएगी
- **संगोष्ठी हेतु पंजीकरण निःशुल्क है।**
- संगोष्ठी के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था आयोजन समिति की ओर से की जाएगी।
- बाह्य प्रतिभागियों के लिए यात्रा-भत्ता की व्यवस्था नहीं है।
- बाह्य प्रतिभागियों के लिए चेन्ने से कल्पाक्कम एवं वापसी हेतु परिवहन, आवास एवं भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी।
- सारांश प्राप्त होने के बाद समिति सारांश की गुणवत्तानुसार चयन कर उन्हें मौखिक या पोस्टर सत्र में विभाजित करेगी जिसकी जानकारी नामांकन फार्म में दिए गए ईमेल के माध्यम से दी जाएगी।
- चयनित आलेखों का मौखिक प्रस्तुतीकरण पावर पॉइंट (ppt) के माध्यम से किया जाएगा। संबंधित ppt फाइल को ईमेल द्वारा अग्रिम तौर पर संयोजक के पास भेज दिया जाए।
- पोस्टर प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागी 80cm x 80cm के आकार में पोस्टर तैयार कर प्रिंट अपने साथ लाएं।
- प्रतिभागी नामांकन फार्म <http://igcar.gov.in/seminar.html> वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।
- **बाह्य प्रतिभागियों के नामांकन केवल मौखिक या पोस्टर प्रस्तुतकर्ता के रूप में ही स्वीकार किए जा सकेंगे।**
- उत्कृष्ट मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों को पुरस्कृत किया जाएगा।